

मेरे लखदातार | by Shivam Ladla

ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई
तेरे बिना ये संसार सुनले मेरे लखदातार
लगे जैसे हो गहरी खाई
ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई

जिस और जहाँ भी मैं देखूं
धोखा और झूठ नज़र आये
मोहमाया और रिश्ते नाते
सब छल से मिले बशर आये
इनसे होके मैं लाचार आया तेरे दरबार
झूठी प्रीत ना मुझको भायी
ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई

ये दुनिया पागलखाना है तेरा दर ही मेरा ठिकाना है
तेरे नाम की मस्ती का प्यासा तेरा दर मेरा मैखाना है
चढ़ा जबसे खुमार रटूं ये ही बार बार
हैं प्यार की ये गहराई
ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई

धीरज तेरे दर से मिला मुझको दीवाना तेरा मैं बन बैठा
बन कर के लहू मेरी नस नस में तेरे प्यार का सागर उमड़ बैठा
मुझपे तेरा है अधिकार मेरे खाटू के सर्कार
अब सुनले मेरी दुहाई
ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%96%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-shivam-ladla/>